| Sl. No. | Name | No. of flats Allotted |
|---|---|---|
| 9 | Sh. Rakesh Goyal | 1 |
| 10 | Sh. Sabir Ranjan Dass Gupta | 1 |
| 11 | Mrs. Surjit Kaur | 1 |
| 12 | Sh. Sheo Narain Sinha. | 1 |
| 13 | Dr. Ved Prakash Bali | 1 |
| 14 | Mrs. Vimla Parmar | 1 |
| 15 | M.S. Brokhi Parikh & Mrs. Maulik Parikh | 1 |
| | TOTAL | 15 |

**भूतपूर्व प्रधान मंत्री, स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की समाधि पर स्मारक का बनाया जाना**

1619. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :**
**श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी :**

क्या **निर्माण और आवास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भूतपूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की समाधि पर एक स्मारक बनाये जाने का प्रस्ताव है ; और

(ख) यदि हां, तो उस पर कितना खर्च होने का अनुमान है और इस काम के कब प्रारम्भ होने तथा कब तक पूरा हो जाने की सम्भावना है ?

**निर्माण और आवास मंत्री (श्री अब्दुल गफूर)** : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

**भारतीय खाद्य निगम द्वारा खराब हुए अनाज की नीलामी**

1620. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :**
**श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी :**

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गत तीन वर्षों के दौरान किस किस्म का कितने मूल्य का अनाज चूहों द्वारा खराब किया गया और भारतीय खाद्य निगम द्वारा नीलाम किया गया ?

**खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (राव वीरेन्द्र सिंह)** : भारतीय खाद्य निगम द्वारा सभी खाद्यान्नों का भंडारण या तो मूषक प्रूफ वैज्ञानिक गोदामों में अथवा कैप/बुलेम, जहां प्रत्येक कन्द्र में तैनात किये गये गुण नियंत्रण स्टाफ द्वारा मूषक नियंत्रण विषयक सभी सावधानियां बरती जाती हैं, किया जाता है । चूहों द्वारा खाद्यान्नों को क्षति पहुंचाने के बारे में कोई सूचना नहीं मिला है ।

**दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा फ्लैटों के आवंटन के संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेश**

1621. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :**
**श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी :**

क्या **निर्माण और आवास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ संसद् सदस्यों ने दिनांक 31 मार्च, 1985 के अपने पत्र में दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा फ्लैटों के आवंटन में किये गये पक्षपात के मामलों तथा इस सम्बन्ध में दिल्ली के उप-राज्यपाल तथा भारत के उच्चतम न्यायालय के आदेशों का पालन न किये